संपादकीय

नतीजों के निहितार्थ

शनिवार को आए तीन राज्यों के चुनावनतीजे पूर्वोत्तर में भाजपा के जबर्दस्त उभार को रेखांकित करते हैं। दूसरी तरफ, ये चुनाव कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के लिए काफी निराशाजनक साबित हुए हैं। त्रिपुरा में माकपा का किला ढह गया, जहां वह ढाई दशक से राज कर रही थी। राज्य की साठ सदस्यीय विधानसभा में भाजपा और आइपीएफटी यानी इंडीजीनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा के गठबंधन को तैंतालीस सीटें हासिल हुईं। गठबंधन में भाजपा का हिस्सा काफी बड़ा है। त्रिपुरा में भाजपा की ऐतिहासिक सफलता का अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि पिछली बार उसे लगभग डेढ़ फीसद वोट ही मिले थे, वहीं इस बार अपनी लड़ी गई इक्कायन सीटों पर उसने तैंतालीस फीसद से अधिक वोट हासिल किए। जबकि माकपा को साढ़े बयालीस फीसद वोट आए। पर ज्यादा अंतर सीटों का है। माकपा ने पिछली बार पचास सीटें जीती थीं, इस बार वह सोलह सीटों पर सिमट गई। वोट-प्रतिशत और सीटों के इस हिसाब ने एक बार फिर 'फर्स्ट पास्ट द पोस्ट' चुनाव प्रणाली पर बहस की गुंजाइश पैदा की है। त्रिपुरा में कांग्रेस को पिछली बार छत्तीस फीसद से कुछ अधिक वोट और दस सीटें मिली थीं, पर इस बार वह एक भी सीट न पा सकी। दरअसल, कांग्रेस का सारा जनाधार भाजपा की तरफ मुड़ गया। इसमें भाजपा की अपनी तूफानी सक्रियता और चतुराई से बनाई गई रणनीति की काफी भूमिका तो है ही, अपना सूपड़ा साफ हो जाने के लिए कांग्रेस भी कुछ कम दोषी नहीं है। काफी समय से त्रिपुरा में कांग्रेस ने विपक्ष की भूमिका निभाना बंद कर दिया था। फिर, इस चुनाव में कांग्रेस ने अपना सारा ध्यान केवल मेघालय पर केंद्रित कर रखा था, जहां वह सत्ता में थी।

नगालैंड में भी कांग्रेस का खाता नहीं खुला। मेघालय में वह अब भी सबसे बड़ी पार्टी जरूर है, पर उसकी सीटें उनतीस से घट कर इक्कीस पर आ गईं। नगालैंड और मेघालय में त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति है, लिहाजा जोड़-तोड़ से सरकार बनाने की कवायद चल रही है। नगालैंड में 2013 में भाजपा को सिर्फ एक सीट मिली थी, इस बार उसकी झोली में बारह सीटें आई हैं; यहां पिछली बार उसे दो फीसद से भी कम वोट मिले थे, इस बार चौदह फीसद से कुछ ऊपर वोट मिले हैं और सहयोगियों के साथ उसके सत्ता में आने के आसार हैं। इन तीन राज्यों में लोकसभा की कुल मिलाकर केवल पांच सीटें हैं, लेकिन इन नतीजों का संदेश बड़ा है, क्योंकि पूर्वोत्तर भाजपा के लिए परंपरागत पैठ वाला क्षेत्र नहीं था। केंद्र की सत्ता में आने के बाद भाजपा ने पूर्वोत्तर में बहुत तेजी से पैर पसारे हैं। इस तरह ये चुनाव परिणाम भाजपा के भौगोलिक विस्तार की भी पुष्टि करते हैं। ये नतीजे ऐसे समय आए हैं जब गुजरात में झटका खाने और राजस्थान व मध्यप्रदेश के उपचुनावों में शिकस्त खाने से भाजपा के माथे पर थोड़ी-बहुत चिंता की लकीरें दिख रही थीं। लेकिन कहना मुश्किल है कि आगे जिन राज्यों के चुनाव होने हैं उनके परिणाम पूर्वोत्तर की लकीर पर ही आएंगे। जैसे, राजस्थान और मध्यप्रदेश के उपचुनाव जीतने के बावजूद कांग्रेस को पूर्वोत्तर में इसका कोई लाभ नहीं मिला, वैसे ही सुदूर त्रिपुरा और नगालैंड के चुनाव भी कर्नाटक, राजस्थान और मध्यप्रदेश पर शायद ही कोई असर डाल पाएं। अलबत्ता ताजा नतीजों ने देश भर में भाजपा के कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया होगा, और पार्टी जरूर इससे लाभान्वित हो सकती है।

शिक्षा, शिक्षक और समाज

पिछले दिनों एक समाचार के शीर्षक ने सभी का ध्यान आकर्षित किया- 'देशमें डेढ़ लाख शिक्षक स्कूल नहीं जाते!' इस समाचार के चलते शिक्षकों की साख पर बट्टा लगा। यह अलग बात है कि कुछ समय पहले, शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित एक एनजीओ ने अपनी विस्तृत शोध-रिपोर्ट में इसके ठीक विपरीत स्थिति बयान की थी और शिक्षकों की अनुपस्थिति का कारण उनका शैक्षणिक काम से ही अन्यत्र जाना बताया था।

यहां समाचार की सच्चाई की पड़ताल करना -उद्देश्य नहीं है। पर यह जानना जरूरी है कि पूरे देश में सरकारी स्कूलों के निजीकरण की सुगबुगाहट क्यों बनी हुई है? और इसका सारा ठीकरा सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के सिर ही क्यों फोड़ा जा रहा है? प्रद्युम्न जैसे मामले को लेकर तो अब निजी स्कूल और भी कठघरे में आ गए हैं। ऐसी स्थिति में इस तरह का कदम किस ओर ले जाएगा? आज भी अधिकांश जगह सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों में प्रमुखों के तौर पर शासकीय विद्यालयों से निकली पीढ़ी ही कार्यरत है। फिर भी इनका निर्माता शिक्षक कहां और किस मुकाम पर पहुंचा दिया गया है, इस पर विचार-मंथन जरूरी है। लगभग संपूर्ण देश में ही शिक्षकों की संख्या कम होने के बावजूद मानव संसाधन के विकास के प्रति हमारी बेरुखी घोर निराशा उत्पन्न करती है।

हर प्रदेश में शिक्षकों की नियुक्ति, सेवा शर्तों, नियमितीकरण, स्थायीकरण और वेतन-भत्तों को लेकर आंदोलन हो रहे हैं। मानव संसाधन के निर्माताओं की चिंता किसी को नहीं! हर जगह शिक्षकों को लानतें या लाठियां मिल रही हैं। अब बताइए कि वे शिक्षा की धुरी में कहां रहे? उन पर लगभग समाप्त हो चुका विश्वास कैसे बहाल हो? समय-समय पर शिक्षाविदों द्वारा राष्ट्र की मुख्य धुरी शिक्षा और शिक्षकों को लेकर जो सुझाव या अनुशंसाएं दी जाती रही हैं। उनका हाल क्या होता है इसका अंदाजा केवल इसी एक उदाहरण से लगाया जा सकता है जब पिछले साल अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक जाने-माने शिक्षाविद का दर्द सामने आया।

उनकी वर्षों पूर्व की गई अनुशंसाओं को कोई तवज्जो नहीं दी गई। मामला फिर चाहे बच्चों पर बस्तों के बढ़ते बोझ का हो या संपूर्ण राष्ट्र में एक जैसी शिक्षक भर्ती का या फिर अखिल भारतीय शिक्षा सेवा के गठन का, शिक्षाविदों की सलाह और अनुशंसाएं क्या अपने अंजाम तक पहुंच पाती हैं? यह एक यक्ष प्रश्न है। जो भी योजनाएं लाई और लागू की जाती हैं उनमें शिक्षकों के मैदानी अनुभवों को कोई तवज्जो नहीं मिलती, न ही नीतिगत फैसलों में उनकी उपलब्धियों का लाभ मिलता है।शैक्षिक गुणवत्ता और नवाचार एक दूसरे के पूरक हैं। एक के बिना दूसरे की कल्पना नहीं की जा सकती।

शिक्षक, शैक्षिक गुणवत्ता की मुख्य धुरी हैं और वह तभी तक शिक्षक है जब तक वह एक शिक्षार्थी है। शिक्षार्थी ही नवाचार कर सकते हैं और शैक्षिक गुणवत्ता ला सकते हैं। नवाचार के लिए शिक्षक का न केवल मनोवैज्ञानिक तौर पर मजबूत होना जरूरी है बल्कि उसमें शैक्षिक गुणवत्ता में अभिवृद्धि के लिए भीतर से कुछ नया कर गुजरने की तथा अपने विद्यार्थियों में अधिगम को अभिरुचिपूर्ण बना कर उसे अधिकतम आनंददायी बनाने की तीव्र उत्कंठा होनी चाहिए। इसके बिना नवाचार के प्रयत्न फलीभूत नहीं होंगे।

रचनात्मक प्रेरणा इस संबंध में बहुत महत्त्वपूर्ण और कारगर घटक होती है। सामान्यत- इस प्रकार के प्रोत्साहन का हमारे यहां अभाव पाया जाता है।

विद्यालयों में जिस प्रकार से विद्यार्थियों की उपस्थिति गिर रही है और शिक्षा की गुणवत्ता खत्म हो रही है उससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षणेतर कार्यों से शिक्षक इतना अधिक दबाव महसूस कर रहा है कि उसके लिए नवाचार का मानस बनाना लगभग असंभव होता जा रहा है। फेल हो जाने का भय पूर्णत- समाप्त होने से विद्यार्थियों में जो उच्छृंखलता बढ़ी वह अपूर्व है। हालांकि परिपक्व नवाचारों का सृजन अभावों, संघर्षों और विपरीत परिस्थितियों में ही होता है।

पर शिक्षक के लिए प्रेरक वातावरण का सृजन नहीं हो पाना निश्चित रूप से कहीं न कहीं एक प्रश्नचिह्न पैदा अवश्य करता है। शैक्षिक गुणवत्ता और नवाचार केवल एक शैक्षिक या अधिगम प्रक्रिया नहीं है बल्कि यह प्रकल्प संपूर्ण शैक्षिक वातावरण को प्रभावित करता है। शैक्षिक गुणवत्ता में अभिवृद्धि के लिए अत्यंत आवश्यक है कि शिक्षक के 'योगक्षेम' को व्यावहारिक और सुरक्षित बनाने के साथ उसे सृजन-मनन, चिंतन, ध्यान, पर्यटन और अभिरुचि को विकसित करने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाए जाएं।

शिक्षक की एकाग्रता बढ़ाने के लिए इन सारे प्रयासों का ईमानदारी के साथ निर्वहन यथार्थ में होना आवश्यक हो गया है। शिक्षक को अपने कर्तव्य और विद्यालयीन गतिविधियों को रोचक बनाने के लिए और अपने विद्यार्थियों के साथ तादात्म्य स्थापित करने के लिए नित नवीन पद्धतियों को अपने अध्यापन का हिस्सा बनाना पड़ेगा। इसके लिए उसे स्थानीय जरूरतों के साथ आधुनिक समय में हो रहे बदलावों पर भी अपना ध्यान केंद्रित करना होगा ताकि शिक्षार्थी नवाचार में रुचि ले सके और शैक्षिक गुणवत्ता हासिल की जा सके! संपूर्ण राष्ट्र में एक जैसी शिक्षा प्रणाली, एक जैसे शिक्षालय और एक समान शिक्षकों का सपना पूरा होता नहीं लगता।

हालांकि राज्य शिक्षा को प्रदेश सरकार के नियंत्रण में रखने के पीछे मुख्य उद्देश्य स्थानीय जरूरतों के अनुसार शिक्षा का प्रबंध करना है, फिर भी शिक्षा की मुख्य धुरी शिक्षक को अध्यापन के साथ शोध, नवाचार और अपनी अंतर्निहित प्रतिभा के उपयोग के लिए यदि प्रेरणादायक और समुचित वातावरण न मिले तो शिक्षा को मिशन समझ कर इस क्षेत्र में आने वाले युवा गहरी निराशा का शिकार होते हैं। संपूर्ण देश के शिक्षालयों में भावी पीढ़ी के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने वालों की कमी नहीं है। पर शिक्षकों में शासन के बढ़ते अविश्वास, विभिन्न वर्गों के शिक्षकों के बीच वर्ग-भेद और वेतन विसंगतियों तथा शिक्षक को शिक्षणेतर कामों में झोंक देने से उनकी क्षमताओं पर बेहद विपरीत प्रभाव पड़ा है।

आज शिक्षक अपने मूल काम से दूर होता जा रहा है। उसका पठन-पाठन छूटता जा रहा है। इसका दोषी कौन है? माना जाता है कि जो किसी और क्षेत्र में नहीं जा पाते, वे शिक्षक बन जाते हैं। पर यह मान बैठना उन विद्वान व समर्पित शिक्षकों के मन-मष्तिष्क पर कुठाराघात है जो अपने पास संचित ज्ञान, विशेषज्ञता और निपुणता को नई पीढ़ी को हस्तांतरित करना चाहते हैं। आज शिक्षा विभाग में ऐसे शिक्षकों की कमी नहीं है जो अन्य विभागों से संबंधित पदों को अस्वीकार कर या बेहतर समझे जाने वाले पदों को त्याग कर यहां बने हुए हैं। यहां तक कि कई आइएएस अफसरों ने भी अध्यापन को प्रशासनिक कार्यों से अधिक तरजीह दी है और अफसरी करने के बजाय शिक्षक-कर्म को अपना ध्येय बना लिया। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम स्वयं को शिक्षक कहलाना अधिक पसंद करते थे। पर कलाम को अपना आदर्श मान कर चलने वाले हमारे कर्णधारों ने शिक्षक को दोयम दर्जे का समझ कर उसे हतोत्साहित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ऐसी दशा में शिक्षकों से उनका सर्वश्रेष्ठ दे पाने की आशा व्यर्थ है। आज निजीकरण की आहट के बीच शिक्षकअपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। सरकारी क्षेत्र में विसंगतिपूर्ण वेतन, प्रेरक सुविधाओं के अभाव और सेवानिवृत्ति के बाद भी एक विपन्न जिंदगी के भय के चलते भावी नागरिकों के लिए कुछ हट कर गुजरने का कोई भाव आज की शिक्षक पीढ़ी में प्रवाहित होते नहीं दिखता। निजी क्षेत्र तो शोषण का पर्याय बन गया है अब। इसका जिम्मेदार बहुत हद तक हमारे समाज का परिवर्तित नजरिया भी है!

भ्रष्टाचार का चयन

कर्मचारी चयन आयोग यानी एसएससी की परीक्षा के प्रश्नपत्र पहले ही कुछ लोगों के हाथ लग जाने को लेकर करीब हफ्ता भर पहले शुरू हुआ विद्यार्थियों का विरोध प्रदर्शन अब राजनीतिक रुख ले चुका है। सारे देश से आए हजारों छात्र दिल्ली में कर्मचारी चयन आयोग कार्यालय के बाहर धरना दे रहे हैं। उनका आरोप है कि परीक्षा शुरू होने से पहले ही पर्चे सोशल मीडिया पर जारी हो गए थे।

मगर एसएससी के चेयरमैन का कहना है कि उनके पास इसके पुख्ता प्रमाण उपलब्ध नहीं हो सके हैं। उन्होंने विरोध प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों से कहा भी कि वे पर्चे लीक होने के सबूत पेश करें, तो उसकी जांच कराई जा सकती है। पर दिल्ली के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के कुछ नेताओं ने कहा कि इस मामले की सीबीआइ से जांच कराई जानी चाहिए, तो इस मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया। अण्णा हजारे भी छात्रों से मिले। फिर दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने केंद्रीय गृहमंत्री और एसएससी चेयरमैन से मिल कर इस मामले को सुलझाने का प्रयास किया, पर छात्र इस बात पर अड़े रहे कि जब तक उन्हें मामले की सीबीआइ जांच कराने का लिखित आदेश नहीं दिखाया जाता, वे अपना आंदोलन जारी रखेंगे।

प्रतियोगी परीक्षाओं के पर्चे लीक होने का यह मामला नया नहीं है। अनेक बार नौकरियों के लिए होने वाली चयन परीक्षाओं में पर्चे लीक होने की घटनाएं हो चुकी हैं। यहां तक कि पूरी तरह चाक-चौबंद मानी जाने वाली लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के पर्चे भी लीक कराने में कुछ लोग कामयाब हुए हैं। इंजीनियरिंग और मेडिकल में प्रवेश परीक्षाओं के दौरान भी ऐसे प्रयास कई बार देखे गए हैं। इसलिए एसएससी परीक्षा में कथित रूप से पर्चे लीक होने पर लोगों को सहज ही विश्वास हो रहा है। हालांकि प्रतियोगी परीक्षाओं को पूरी तरह अभेद्य बनाने के अनेक प्रयास हो चुके हैं। मगर इसमें पूरी तरह कामयाबी नहीं मिल पाई है। दरअसल, जिस तरह सरकारी क्षेत्रों में नौकरियां कम होती गई हैं और अभ्यर्थियों की संख्या लगातार बढ़ती गई है, उसमें पर्चे लीक कराने और उसकी एवज में भारी रकम वसूलने वालों के गिरोह जगह-जगह तैयार हो गए हैं। ये लोग संबंधित परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं में पहुंच बनाने और फिर

पर्चे लीक कराने का प्रयास करते हैं।

पर्चे लीक कराने की ज्यादातर घटनाओं में उन कोचिंग संस्थानों का हाथ देखा गया है, जो विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग देते और फिर उनके चयन की गारंटी लेते हैं। कुछ संस्थान हर साल बढ़-चढ़ कर दावे करते हैं कि उनके यहां से कोचिंग लेकर कितने विद्यार्थी सफल हुए। इस तरह ये कोचिंग संस्थान विभिन्न शहरों में अपनी शाखाएं खोलते और विद्यार्थियों से भारी फीस वसूल कर उन्हें कोचिंग देते हैं। एसएससी परीक्षा के कथित पर्चा लीक मामले में भी कुछ कोचिंग संस्थानों पर अंगुलियां उठ रही हैं। इस तरह पर्चे लीक करा कर कुछ संपन्न लोगों के बच्चों को नौकरियां दिलाने की प्रवृत्ति के चलते ऐसे बहुत सारे योग्य विद्यार्थियों को उनका हक नहीं मिल पाता, जो सचमुच उसके हकदार थे। इस तरह पैसे के बल पर सरकारी महकमों में अयोग्य लोगों की फौज जमा होती जाती है, जिसका असर सरकारी कामकाज पर पड़ता है। इसके चलते भ्रष्टाचार पर काबू पाना भी कठिन बना रहता है। इसलिए प्रतियोगी परीक्षाओं को विश्वसनीय और पूरी तरह अभेद्य बनाने की दिशा में व्यावहारिक कदम उठाया जाना जरूरी है।

संपादक-चुनीलाल एस. भट्ट,
मुद्रक एवं प्रकाशक-मयुर सी. भट्ट, प्रकाशन स्थल-201, 202, 208 नंदन कोम्प्लेक्ष, मीठाखली, अहमदाबाद-6.
मालिक-कल्याणी पब्लिकेशन प्रा.लि. द्वारा महादेव ऑफसेट, बी-4, रवि एस्टेट, रूस्तम मिल कम्पाउंड, दूधेश्वर, अहमदाबाद में छपवाकर प्रकाशित किया।
फोन-26568477, 26409779.
E : alpaviram1@yahoo.com

तापी परियोजना की संभावनाएं

तापी (तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान-भारत) गैस पाइप लाइन को लेकर अच्छी खबर आई है। खुशी की बात है कि अफगानिस्तान खंड में तापी गैस पाइप लाइन निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। इस मौके पर तुर्कमेनिस्तान और अफगानिस्तान के राष्ट्रपति और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहिद खान अब्बासी के साथ भारत के विदेश राज्यमंत्री एमजे अकबर भी मौजूद थे। यह अच्छा संकेत इसलिए माना जाना चाहिए कि यह पाइप लाइन भारत और पाकिस्तान के रिश्तों को ठीक करने की उम्मीद तो जगाती है। इस खबर के साथ ही ये भी कयास लगाए जा रहे हैं कि ईरान-पाकिस्तान-भारत गैस पाइप लाइन पर भी गंभीरता से भारत विचार करेगा। भारत सरकार दुबारा इस पाइप लाइन योजना में शामिल होने के लिए गंभीर है। बीते दिनों ईरान के राष्ट्रपति के भारत आगमन के समय यह स्पष्ट हो गया कि दक्षिण एशिया में बढ़ रहे ऊर्जा संकट को हल करने के लिए तमाम मुल्क गंभीर हैं। हालांकि इस ऊर्जा संकट को दूर करने में अब भी बाधाएं आएंगी क्योंकि इस इलाके में पश्चिमी ताकतों के भी अपने हित हैं। पश्चिम और मध्य-पूर्व एशिया में कई देशों के अमेरिका से अच्छे और बुरे संबंध इस इलाके की कूटनीति पर खासा असर डालते हैं। पहले भी प्रस्तावित ईरान-पाकिस्तान-भारत गैस पाइप लाइन में अमेरिका ही मुख्य बाधा बना था।

हालांकि रास्ते अब भी आसान नहीं हैं। हेरात के बाद जब कंधार इलाके में तापी गैस पाइप लाइन का काम शुरू होगा, तो इस पाइप लाइन को लेकर तमाम मुश्किलें आ सकती हैं। कंधार तालिबान का गढ़ है। अभी भी यहां के बड़े हिस्से पर तालिबान का नियंत्रण है। तालिबान के लड़ाके तापी गैस पाइप लाइन में बाधा डालने की कोशिश करेंगे। अफगानिस्तान सरकार इससे कैसे निपटेगी, यह तो समय बताएगा। अफगानिस्तान से गैस पाइप लाइन पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में आएगी। बलूचिस्तान में जब काम शुरू होगा तो पाकिस्तानी सरकार को कई अलग-अलग आतंकी गुटों से निपटना होगा। इस इलाके में बलोची आतंकी गुट भी हैं। तालिबान भी सक्रिय है। यहां पर अफगान तालिबान और पाकिस्तानी तालिबान दोनों सक्रिय हैं। बताया जाता है कि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के कामकाज में आतंकी गुटों ने खासी मुश्किलें पैदा की हैं। हाल ही में खबर आई है कि चीन बलोच आतंकी गुटों से बातचीत कर रहा है। बलूचिस्तान के बाद तापी गैस

पाइप लाइन के निर्माण को लेकर असली परीक्षा पाकिस्तान सरकार की पंजाब प्रांत में होगी। क्योंकि यह गैस पाइप लाइन पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के उस इलाके से गुजरेगी जो भारत विरोधी आतंकी गुटों का गढ़ है। इसमें लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी गुट शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि तापी गैस पाइप लाइन के कार्यरूप में आने के बाद भारत को प्राथमिक लाभ ऊर्जा क्षेत्र में होगा। दूसरा लाभ आतंकवाद से बचाव में होगा। संभावना जताई जा रही है कि गैस पाइप लाइन शुरू हो जाने से पाकिस्तान में रोजगार के अवसर पैदा होंगे और इससे भारत में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी घटनाओं में कमी आएगी। वहीं पाकिस्तान को भी इस पाइप लाइन से कई लाभ होंगे। पाकिस्तान में ऊर्जा का भारी संकट है। तापी पाइप लाइन शुरू होने से यहां ऊर्जा संकट खत्म होगा। बंद पड़े उद्योग दुबारा शुरू होंगे। अभी हालत यह है कि शहरी उद्योगों को साल में पांच से छह महीने पंद्रह से अठारह घंटे बिजली कटौती का सामना करना पड़ता है। ऐसे में ऊर्जा संकट दूर होने से पाकिस्तान के शहरी इलाकों में रोजगार पैदा होंगे। इससे पाकिस्तान को सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि यहां सक्रिय आतंकी गुटों को बेरोजगार नौजवान मिलने बंद हो जाएंगे। पाकिस्तान में हुए अध्ययनों से पता चला है कि आतंकी संगठन बेरोजगार नौजवानों को लुभाने में कामयाब रहे हैं।

क्या भारत दक्षिण और पश्चिम एशिया की कूटनीति में स्थानीय कारणों से अमेरिकी प्रभाव से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है? तापी गैस पाइप लाइन के कार्य में गति ऐसे संकेत दे रही है। बीते दिनों ईरान के राष्ट्रपति हसन रोहानी की भारत यात्रा व्यावहारिकता पर आधारित थी। दोनों मुल्कों की कुछ जरूरतें अमेरिकी दबाव के बावजूद दोनों को एक-दूसरे के नजदीक लाती हैं। ईरानी राष्ट्रपति के दौरे के दौरान भारत और ईरान के बीच कई समझौते हुए। इसमें सबसे महत्त्वपूर्ण समझौता ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित था। चाबहार बंदरगाह के विकास को लेकर भारत की प्रतिबद्धता से स्पष्ट है कि वह भविष्य में एक अरब आबादी की ऊर्जा संबंधी जरूरतें पूरी करने के लिए गंभीर है। ऊर्जा क्षेत्र में ईरान भारत का महत्त्वपूर्ण सहयोगी है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में हमेशा यह चर्चा होती है कि अंतराष्ट्रीय तेल और गैस क्षेत्र में भारतीय निवेश में अमेरिकी नीति बाधक बनती है। भारत के पास सूडान, सीरिया, ईरान, नाइजीरिया आदि मुल्कों के गैस और तेल क्षेत्र में निवेश की अपार संभावना है। पर कहीं न कहीं भारत के लिए समस्या इन मुल्कों से अमेरिका के खराब संबंध रहे हैं।

रोहानी की भारत यात्रा ऐसे वक्त में हुई है, जब ठीक पहले इजराइली प्रधानमंत्री भारत आए थे। कहीं न कहीं परदे के पीछे ईरान-पाकिस्तान-भारत गैस पाइप लाइन पर चर्चा चल रही है। दरअसल, भारत और ईरान दोनों मुल्क इस समय पश्चिम, मध्य-पूर्व एशिया में शक्ति संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। अगर इजराइल भारत के लिए रक्षा, कृषि और जल क्षेत्र में सहयोग के लिए महत्त्वपूर्ण है, तो ईरान ऊर्जा क्षेत्र में भारत के लिए महत्त्वपूर्ण है। ईरान, भारत के लिए सामरिक और व्यापारिक दृष्टिकोण से इसलिए भी अहमियत रखता है कि इसकी एक बड़ी सीमा अफगानिस्तान से लगती है। तापी गैस पाइप लाइन का रास्ता अफगानिस्तान के हेरात और कंधार राज्य हैं। कंधार और हेरात दोनों ईरानी सीमा पर हैं। इसलिए ईरान से अच्छे संबंध जरूरी हैं। यही नहीं, ईरान के रास्ते तुर्कमेनिस्तान में भी भारत की पहुंच आसान है।

भारत की कुल ऊर्जा जरूरतों में पेट्रोलियम की हिस्सेदारी तेईस प्रतिशत और गैस की हिस्सेदारी छह प्रतिशत है। प्रस्तावित तापी गैस पाइप लाइन से ऊर्जा जरूरतों में गैस की हिस्सेदारी बढ़ेगी। यह भारत के लिए खासा लाभदायक रहेगा। भारत की ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए ही संसदीय समिति ने 2017 में ईरान-पाकिस्तान-भारत गैस पाइप लाइन के लिए दुबारा प्रयास करने की सलाह दी थी। भारत की ऊर्जा संबंधी जरूरतों का बड़ा हिस्सा कोयले से पूरा होता है। अब भी ऊर्जा जरूरतों में कोयले की भागीदारी चवालीस प्रतिशत है। भारत को अगर अपनी ऊर्जा जरूरतों में कोयले की निर्भरता घटानी है तो प्राकृतिक गैस की भागीदारी बढ़ानी होगी। इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका तापी और ईरान-पाकिस्तान-भारत गैस पाइप लाइन ही निभा सकती है। यह ध्यान में रखने वाली बात है कि 2015 में ईरान और छह पश्चिमी ताकतों के बीच परमाणु करार हो गया। इसके बाद ईरान पर लगे प्रतिबंध हटे। ईरान ने कई आर्थिक करार दुनिया के दूसरे मुल्कों से किए। ऐसे में भारत को भी ईरान-पाकिस्तान-भारत गैस पाइप लाइन की दिशा में प्रयास करना चाहिए। हालांकि बीते सत्रह सालों में भारत-ईरान संबंधों में कई उतार-चढ़ाव आए। प्रस्तावित ईरान-पाकिस्तान-भारत गैस पाइप लाइन परियोजना भी इसका शिकार हुई। इसका मुख्य कारण ईरान को लेकर अमेरिकी नीति थी। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत प्रस्तावित ईरान-पाकिस्तान-भारत गैस पाइप लाइन से 2008 में अलग हो गया था। हालांकि पाकिस्तान ने अमेरिकी दबाव को नकार दिया और ईरान-पाकिस्तान गैस पाइप लाइन पर काम जारी रखा। हालांकि ईरान भी समय-समय पर भारत को झटका देता रहा। ईरान ने भारत को फरजाद गैस फील्ड की विकास परियोजना देने से मना कर दिया। ईरान इस बात से नाराज था कि भारत-ईरान संबंध अमेरिकी हितों पर निर्धारित होते हैं। फरजाद गैस क्षेत्र की खोज भारतीय कंपनी ओएनजीसी ने की थी। पर इसके विकास का काम ओएनजीसी को नहीं मिला। जबकि ओएनजीसी ने फरजाद गैस फील्ड में ग्यारह अरब डालर के निवेश का प्रस्ताव रखा था।

कुदरत के संग-संग

सभी मनुष्यों में सद्भावनाएं होती हैं, लेकिन वे दबी रहती हैं। उनका सदुपयोग नहीं हो पाता। लेकिन फाल्गुन मनुष्य की इन सद्भावनाओं को विचलित करता है। आमतौर पर सभी लोगों का व्यक्तित्व तरह-तरह की भावनाओं का जंजाल बन चुका है। उनकी स्थिर, सद और प्रेम से भरी भावनाएं भी जंजाल में उलझी हुई हैं। शायद यह इस दौर और इसके मानवीय जीवन का प्रभाव या दुष्प्रभाव है। लोगों के विचारों और भावनाओं में पारस्परिक प्रेम और सहयोग नहीं रहा। जो कुछ बचा है, वह बाहरी आकर्षण और तात्कालिक लगन। दीर्घकालीन कुछ भी नहीं। बस एक-दो-तीन दिन या ज्यादा से ज्यादा एक महीने तक ही मनुष्य किसी घटना, दुर्घटना या व्यक्ति, प्रकृति से प्रभावित होता है। इसके बाद सब सामान्य हो जाता है। बल्कि सामान्य भी नहीं, अनदेखा, अरुचिकर और कुंठा बढ़ाने वाला हो जाता है। जीवन में हम इसी पुरानी स्थिति से न घिरे रहें और हमारा सोचना-समझना पुराना ही न पड़ा रहे, इसके लिए ऋतुएं हमें सचेत करती रहती हैं। मौसम में बदलाव अनेक सुंदर माध्यमों से होता है। फाल्गुन, बसंत और होली ऐसे ही माध्यम हैं। जलवायु में यह नया बदलाव जीवन को जीवंत कर देता है। पिछले मौसमों के जरिए दी गई मानसिक-शारीरिक व्याधियां इस समय दर्द में होते हुए भी आनंद का अहसास कराने वाले परिवर्तन से गुजर रही होती हैं। आत्मिक और मानसिक रूप से इस दुनिया से अलग कई लोग केवल फाल्गुन के कारण वापस जुड़ जाते हैं। वरना सामाजिक, मानवीय रूप में यह जगत बेहद असहज और प्रतिकूल हो चुका है। पिछले एक-डेढ़ दशक में मनुष्यों का मशीनों से बढ़ा बेलगाम लगाव उन्हें कृत्रिम मानव बना चुका है। मानव जीवन का प्राकृतिक, ग्रामीण और सामाजिक स्वभाव तिरोहित हो चुका है। मानवीय जीवन में मनुष्यों के लिए जो कुछ बचा है, वह धन-संसाधन संपन्न होने की उत्कट इच्छा ही है। हमारा उद्धार इसी इच्छा के सहारे तो नहीं हो सकता।

इतना होने के बाद भी व्यक्ति का जो मूल स्वरूप है, वह उसे यह सोचने के लिए मजबूर करता है कि उसका जीवन दरअसल वह नहीं, जैसा वह भौतिक दुनिया के कर्ताधर्ताओं के लिए बन रहा है।

अमेज़न फैशन लेकर आया है बेबी क्लॉदिंग का विशिष्ट ऑनलाइन स्टोर

बेंगलुरू, अमेज़न फैशन ने आज बच्चों के लिये खासतौर से अपने पहले ऑनलाइन बेबी क्लॉदिंग स्टोर की घोषणा की है। इससे पैरेंट्स को अपने नवजात बच्चों के लिये शॉपिंग करना आसान हो जायेगा। यह बेहतरीन नया स्टोर 2 साल तक की बेबी गर्ल और ब्वॉय के लिये वन स्टॉप डेस्टिनेशन है जोकि 1 लाख से भी ज्यादा स्टाइल के एक्सक्लूसिव कलेक्शन की पेशकश करता है।

इस स्टोर में जाने-माने देशी और विदेशी ब्रांड जैसे मदरकेयर, यूनाइटेड कलर्स ऑफ बेनेटन, गिनी एंड जॉनी और 612 लीग और गैप की ओर से एक्सक्लूसिव बेबीगैप का मिला-जुला कलेक्शन मिलेगा। इन प्रोडक्ट रेंज की शुरुआत 100 रुपये से होती है, जिसमें कपड़ों में टी-शर्ट, ड्रेसेस, रॉम्पर सूट्स, क्लॉदिंग सेट्स, बॉडीसूट्स और वन पीस शामिल हैं। शूज और एससेरीज में मिटेन्स, बूटीज, प्री वॉकर और फर्स्ट वॉकर हैं। ये प्रोडक्ट्स अमेज़न प्राइम के लिए भी वैध हैं, जिसमें पूरे देशभर के 100 शहरों में अनलिमिटेड वन डे और टू डे की मुफ्त डिलिवरी मिलेगी और शॉपिंग का बेमिसाल अनुभव प्राप्त होगा।

गिनी एंड जॉनी द्वारा जीजे बेबी की ब्रांड मैनेजर सुश्री रोशनी लखानी माहेश्वरी ने कहा, ''अमेज़न फैशन द्वारा बेबी क्लॉदिंग स्टोर के लॉन्च को लेकर हम बेहद उत्साहित हैं। अमेज़न ने पहले ही देश में हलचल मचा दी है और अब हमने वन स्टॉप स्टोर शुरू किया है, जो देशभर के पैरेंट्स की सबसे बड़ी जरूरत थी। जीजे बेबीकेयर में हम उन ग्राहकों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिये बेहद उत्साहित हैं। बच्चों के कपड़ों में डिजाइन, सुरक्षा और आराम को बरकरार रखने का हमने खासा ध्यान रखा है। हमें पूरा विश्वास है कि बेबी क्लॉदिंग स्टोर हमारे कलेक्शन के साथ पूरा न्याय कर पायेगा।''(20-4)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने कक्षा 1 से 12 तक के पाठ्यक्रमों में सुधार के लिए सुझाव आमंत्रित किए

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए कक्षा 1 से 12 तक के पाठ्यक्रमों में सुधार के लिए सुझाव आमंत्रित किए हैं। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि स्कूली पाठ्यक्रमों में शीघ्र सुधार की आवश्यकता है क्योंकि शिक्षा का उद्देश्य, प्रणाली से एक अच्छे व्यक्ति को तैयार करना है। शैक्षिक योग्यता के साथ जीवन कौशल, प्रायोगिक शिक्षा, शारीरिक शिक्षा और रचनात्मक कौशल की भी आवश्यकता होती है। हमें ऐसी प्रणाली विकसित करनी चाहिए जिसमें छात्रों को इनमें से प्रत्येक विषय के लिए समय मिले और वह उस क्षेत्र में प्रगति करे जो उसे पसंद हो। श्री जावड़ेकर ने स्पष्ट करते हुए कहा कि पाठ्यक्रमों में सुधार की मांग लम्बे समय से रही है और अधिकांश लोग मानते हैं।

नितिन गडकरी राजमार्ग का इस्तेमाल करने वालों के लिए सुखद यात्रा ऐप और टोल फ्री इमरजेंसी नंबर करेंगे जारी

केन्द्रीय सड़क और राजमार्ग, जहाजरानी, जल संसाधन, नदी विकास तथा गंगा सरंक्षण मंत्री नितिन गडकरी राजमार्ग का इस्तेमाल करने वालों के लिए कल दिल्ली में एक मोबाइल ऐप और टॉल फ्री आपात नंबर जारी करेंगे। सुखद यात्रा के नाम का यह मोबाइल ऐप राजमार्गों का इस्तेमाल करने वालों को सशक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, एनएचएआई द्वारा तैयार किया गया है।

ऐप की मुख्य विशेषताओं में उपयोगकर्ताओं को सड़क की गुणवत्ता संबंधी जानकारी या राजमार्ग पर किसी दुर्घटना या किसी प्रकार टूट-फूट की जानकारी दर्ज करने की सुविधा भी शामिल है। इस ऐप के जरिए उपयोगकर्ता प्लाजाओं पर अपेक्षित प्रतीक्षा समय तथा राजमार्ग पर मिलने वाली नेस्ट/मिनी नेस्ट और अन्य पंसदीदा सुविधाओं के बारे में सटीक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इस ऐप का प्रयोग उपयोगकर्ताओं द्वारा फास्टैग टैग खरीदने तथा राजमार्ग पर चलने के अपने अनुभव को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए भी किया जा सकेगा।

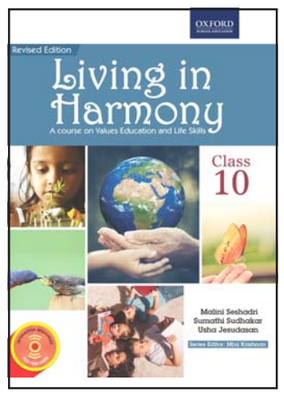

ऐप के साथ ही जारी किया जाने वाले टोल-फ्री नंबर, 1033 के जरिए उपयोगकर्ता राजमार्ग पर किसी भी तरह की आपातकालीन स्थिति की सूचना या राजमार्ग से संबंधित फीडबैक दे सकेंगे। आपातकालीन स्थिति में तेजी से सहायता सुनिश्चित करने के लिए इस नंबर के साथ एम्बुलेंस और वाहनों को उठा ले जाने जैसी सेवाओं को जोडा गया है।

एम्वे इंडिया ने राजकोट में एक्सप्रेस पीक एन्ड पे स्टोर शुरू किया

राजकोट : देश की अग्रणी डायरेक्ट सेलींग एफएमसीजी कंपनी एम्वे इंडिया द्वारा राजकोट में अपना 52वां एक्सप्रेस पीक एन्ड पे स्टोर का शुभारंभ किया गया। यह स्टोर गुजरात का पांचवा एक्सप्रेस पीक एन्ड पे स्टोर है। यह स्टोर 101, प्रथम मंजिल, बिजनेस पार्क, कालावाड रोड, राजकोट- 360005 में स्थित है। ग्राहको तक अधिक प्रमाण में पहुंचने की रणनीति अंतर्गत इस स्टोर का स्वरुप मिनी शोपिंग सेन्टर के रुप में रखा गया है। जिसमें एम्वे के ग्राहको और डायरेक्ट सेलर्स को एम्वे की उच्च गुणवत्तायुक्त प्रोडक्ट्स को स्पर्श करने का अनुभव और खरीदी का मौका मिलेगा।

इस अवसर पर एम्वे इंडिया (वेस्ट) के सिनीयर वॉइस प्रेसिडेन्ट संदीप प्रकाश ने बताया कि गुजरात एम्वे इंडिया के लिए संभावनाओं से भरपूर मार्केट है तथा राज्य में एम्वे की प्रोडक्ट्स को काफी सराहना मिल रही है जिसकी वजह से हमने राजकोट में अपना पांचवां एक्सप्रेस पीक एन्ड पे स्टोर शउरू किया है। जो हमारे डायरेक्ट सेलर्स तथा ग्राहकों को सहयोग देगा। (19-8)

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ने प्रकाशित की 'लिविंग इन हार्मनी

दुनिया की सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी प्रेस- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ने 'लिविंग इन हार्मनी' श्रृंखला के संशोधित संस्करण को जारी किया है; यह स्कूलों के लिए तैयार किया गया मूल्य शिक्षा एवं जीवन कौशल पर जाना-माना कोर्स है। इसके संशोधित संस्करण का विस्तार कर के कक्षा 9 और 10 के लिए भी किताबों को शामिल किया गया है, पहले इसमें पहली से 8वीं कक्षा तक के लिए पुस्तकें थीं। इस संस्करण में पाठ योजना और निशुल्क 'टीचर्स मैनुअल' भी शामिल किए गए हैं।

'लिविंग इन हार्मनी' श्रृंखला में मूल्य शिक्षा के उस पहलू का समाधान प्रस्तुत किया गया है जिसका जिक्र राष्ट्रीय पाठ्यक्रम संरचना में किया गया है। यह विद्यार्थियों को उनके परिवेश के बारे में अपने दायित्वों को पहचानने में मदद करती है और उन्हें वे मूल्य सिखाती है सामाजिक रूप से उत्पाद अर्थपूर्ण जीवन के लिए अहम हैं। 6 लेखकों की हमारी टीम ने कक्षा 1 से 10 तक के लिए जेंडर संवेदनशीलता पर सबक तैयार किए हैं और ये छोटे बच्चों की सुरक्षा पर जोर देते हैं। उच्चतर कक्षाओं के लिए इस श्रृंखला में संवेदनशील विषय शामिल किए गए हैं जैसे- सेक्सुऐलिटी, सामाजिक समूहों के बीच तनाव, गरीबी, टेक्नोलॉजी के दो पहलू, सामाजिक असमानता आदि। प्रत्येक किताब में 84 मूल्यों की सूची है जिन्हें इतिहास, लोक कथाओं, किस्सों, असल जिंदगी की घटनाओं और विश्व साहित्य से लिया गया है। एक शांतिमय जगत की आधारशिला रखना हमारे समय की सबसे बड़ी जरूरतों और साथ ही चुनौतियों में से एक है। इसलिए यह श्रृंखला इस संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। (13-5)

भाबीजी ने शो में पहना चर्च की शादी का लिबास

'भाबीजी घर पर हैं' ने हाल ही में एक स्पेशल एपिसोड के लिये गोवा में शूटिंग की है और उन्होंने बीच पर काफी धमाल किया! इस शो के मेकर्स दोनों जोड़ियों- अनिता-विभूति और अंगूरी-तिवारी के बीच एक बड़ा ही दिलचस्प वाकया लेकर आये हैं, जहां दोनों चर्च के गलियारें से गुजरते हुए, एक-दूसरे से कहते हैं, 'आई डू'। गोवा में हों और दर्शकों को चर्च की शादी ना दिखाई जाये ऐसा कैसे हो सकता है। उन कलाकारों को भी इस पूरे वाकये की शूटिंग करने में खूब मजा आया।

इस कहानी के अनुसार, ये दोनों जोड़ियां एक बार फिर शादी करने के लिये गोवा पहुंची हुई है। चूंकि, दोनों गोवा में हैं, इसलिये वे चर्च में शादी करने का फैसला करते हैं। जहां दोनों महिलाएं व्हाइट गाउन में दमक रही हैं, वहीं दोनों पुरुष टक्सडो में बने-ठने नजर आ रहे हैं।

इस शो में अंगूरी भाबी का किरदार निभा रहीं शुभांगी अत्रे कहती हैं, "मैं बता नहीं सकती कि चर्च में शादी के इस सीक्वेंस को लेकर मैं कितनी उत्साहित हूं। यह सोचकर ही अद्भुत लगता है कि कैसे इस शो के मेकर्स लगातार दिलचस्प कहानी लेकर आते हैं, जिसकी वजह से कलाकार के तौर पर नीरस महसूस नहीं होता। मुझे व्हाइट गाउन पहनना पसंद है। हाथों में फूलों को थामे और चर्च के गलियारे से होकर गुजरना बहुत अच्छा अनुभव है।"(19-8)

हिमालया बेबीकेयर ने एक्स्ट्रा लार्ज जेंटल बेबी वाइप्स लॉन्च किया

हिमालया ने भारत का पहला एक्स्ट्रा लार्ज जेंटल बेबी वाइप्स लॉन्च किया है, यह नियमित जेंटल वाइप से दोगुनी बड़ी साइज का है। यह एलो वेरा तथा इंडियन लोटस के गुणों से भरपूर है, हिमालया एक्स्ट्रा लार्ज जेंटल बेरी वाइप्स शिशु की कोमल त्वचा को आहिस्से से साफ करता है, और उसे मुलायम तथा नरम बनाए रखता हैं

एक्स्ट्रा लार्ज वाइप्स शिशु बहुत ही अच्छी गुणवत्ता के हैंतथा ये हिमालया बेबी लोशन के गुणों से भरपूर हैं, इन वाइप्स में एल्कोहल, सिलिकॉन या लैनोलिन नहीं है।

एक्स्ट्रा लार्ज जेंटल बेबी वाइप्स शिशु के पूरे शरीर को केवल एक वाइप में साफ करने की सुविधा प्रदान करता है। (19-10)

पोरस की एक्ट्रेस रिया दीपसी अपने बैग में पेपर स्प्रे और चाकू रखती हैं

सिद्धार्थ कुमार तिवारी की महाकृति ऐतिहासिक शो %पोरस% में राजकुमारी बरसीन की भूमिका निभाने वाली सुंदर रिया दीपसी आने वाले एपिसोड में पोरस (लक्ष्य द्वारा अभिनीत) के साथ एक आमने—सामने की लड़ाई लड़ेंगी। हर एक्ट्रेस कैमरा के सामने तलवार पकड़कर नहीं लड़ सकती है, लेकिन रिया दीपसी को वह मौका मिल गया। उनके लिए एक योद्धा राजकुमारी का किरदार निभाना सपना सच होने जैसा अनुभव था। इस सुंदर एक्ट्रेस ने खुद को तलवारबाजी और घुड़सवारी में भी प्रशिक्षित किया है। वह मानती हैं कि आत्मरक्षा अपनी सुरक्षा करने का सबसे अच्छा तरीका है और इस शो ने उसे और भी ताकतवर बनाया है।

लड़ाई के दृश्य पर बात करते हुए रिया कहती हैं, एक योद्धा राजकुमारी की भूमिका निभाना मेरा सपना था और मैं पोरस में राजकुमारी बरसीन की यह भूमिका निभाकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। तलवार के साथ लड़ना कुल मिलाकर एक अलग अनुभव है, मैं महाभारत के दौरान भी वर्कशॉप करती थी और पोरस के प्रसारित होने से पहले भी मैं अन्य वर्कशॉप किया था। लक्ष्य और हमारे कोरियोग्राफर दीपक दास दोनों ने मेरी काफी मदद की। और अंतर में, मैंने अपना हिस्सा पूरा किया। लड़ाई के दृश्यों की शूटिंग करना बेहद उत्साहजनक था और अच्छा करके आप काफी उत्साहित हो जाते हैं। रिया आगे कहती हैं, मैं स्कूल और कॉलेज के दिनों में पूरी तरह से टॉमबॉय थी और मैंने ताइक्वांडो भी सीखा है और राज्य स्तरीय चैम्पियनशिप में हिस्सा भी लिया है। मुझे लगता है कि हर लड़की को अच्छी तरह से आत्मरक्षा सीखने की जरूरत है। मैं अपने बैग में पेपर स्प्रे और एक छोटा सा चाकू रखती हूं। (19-8)

लग्रों इंडिया ने अहमदाबाद में अपने अनुभवजन्य केन्द्र इन्नोवल की घोषणा की

इलेक्ट्रिकल और डिजिटल बिल्डिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में वैश्विक अग्रणी लग्रों इंडिया ने आज अहमदाबाद में अपने अत्याधुनिक अनुभवजन्य केन्द्र इन्नोवल का शुभारंभ किया।

इन्नोवल में भारत के कंपनी समूह के उत्पाद होंगे- लग्रों, न्यूमेरिक एंड वालरैक। वैश्विक आधार पर इन्नोवल फ्रांस, ग्रीस, चिली, ब्राजील, कोलम्बिया, दुबई में मौजूद है और एशिया पैसिफिक क्षेत्र में इसने भारत के मुंबई में लॉन्च के साथ प्रवेश किया था। कंपनी अब अहमदाबाद के बाजार में अपने अनुभवजन्य केन्द्र के शुभारंभ से पैठ जमाने के लिये तैयार है। लग्रों इंडिया की योजना वर्ष 2018 के अंत तक भारत में आठ इन्नोवल अनुभवजन्य केन्द्र खोलने की है।

इन्नोवल उत्पाद प्रदर्शन के लिये लग्रों का वैश्विक ब्राण्ड है। इन्नोवल नाम लग्रों द्वारा नवोन्मेषी उत्पादों (नवोन्मेष का क्षेत्र) के विकास को सार्थक करता है। इन्नोवल 'स्रोत से लेकर अंतिम उपयोग' की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें एक-दूसरे से संबद्ध उत्पाद होते हैं और ऊर्जा तथा डाटा वितरण ग्रिड में अपनी श्रेणी के अनुसार होते हैं। आगंतुकों की विविधता को ध्यान मां रखते हुए उत्पाद व्यावसायिक क्षेत्रों के आधार पर होते हैं, जैसे होम ऑटोमैशन, यूजर इंटरफेस, ऊर्जा वितरण, स्ट्रक्चर्ड कैबलिंग, यूपीएस और कैबल मैनेजमेंट। इन्नोवल ने हाल ही में आईआईआईडी डिजाइन और आरएम एंड आरडी फोरम में अपने डिजाइन के लिये प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं।

डिजाइन की अप्रोच डिजाइनियरिंग की अवधारणा पर आधारित है। इसमें इंजीनियरिंग की सभी तकनीकें हैं, लेकिन इसकी संवाद प्रणाली सहज और समझने में सरल है। संवादपरक उत्पाद प्रदर्शन, पूरी तरह से ऑटोमैटेड अनुभव, शैक्षणिक इंफोग्राफिक्स और स्पष्ट दर्शनीय भाषा के साथ इन्नोवल को ऐसा अनुभव प्रदान करने के लिये तैयार किया गया है, जिससे आगंतुकों को पूरी समझदारी से उत्पादों का चयन करने में मदद मिले। (16)

फुलर्टन इंडिया ने लेंडिंगकार्ट ग्रुप के साथ किया समझौता ज्ञापन

मुंबई, फुलर्टन इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड (फुलर्टन इंडिया) ने लेंडिंगकार्ट ग्रुप (लेंडिंगकार्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और लेंडिंगकार्ट फाइनेंस लिमिटेड) के साथ एक समझौता अनुबंध (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। इसका उद्देश्य माइक्रो स्मॉल एवं मीडियम एन्टरप्राइजेज (एमएसएमई) को एक संगठित ऋण उपलब्ध कराना है। उल्लेखनीय है कि फुलर्टन इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड (फुलर्टन इंडिया) एक प्रमुख गैर-बैंकीय वित्तीय कंपनी है। इसने देश भर में अपनी सुदृढ़ उपस्थिति दर्ज करा रखी है।

इस अनुबंध के अंतर्गत फुलर्टन इंडिया और लेंडिंगकार्ट ग्रुप एकसाथ मिलकर संयुक्त उत्पाद कार्यक्रमों की पेशकश करेंगे। इनका उद्देश्य विशेष रूप से एमएसएमई ऋण एवं सेवायें उपलब्ध कराना है। इससे कंपनियां एक-दूसरे के ग्राहकों से बिक्री के अवसर तलाशेंगी और इस तरह दोनों तरफ उत्पादों की उपलब्धता बढ़ेगी। फुलर्टन इंडिया द्वारा लेंडिंगकार्ट ग्रुप को कलेक्शन सपोर्ट उपलब्ध कराने में भी मदद की जायेगी। यह साझेदारी दोनों ही कंपनियों को एक-दूसरे के सर्वश्रेष्ठ तरीकों को अपनाने और बेहतर क्रेडिट प्रोफाइल्स तक पहुंचने में भी सक्षम बनायेगी।

इस अनुबंध पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये सुश्री राजश्री नाम्बियार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक, फुलर्टन इंडिया ने कहा, "हमारा दृढ़ विश्वास है कि एमएसएमई सेक्टर भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक के रूप में काम करते हैं। इस सहयोग से हम एमएसएमई सेगमेंट को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों ही जगह पर संगठित ऋण तक पहुंचने उपलब्ध कराने में सक्षम बनेंगे। हमारा मानना है कि इस आपसी सहयोग से दोनों ही कंपनियों को परस्पर लाभ मिलेगा।" (20-4)

अराकू घाटी में विकसित कॉफी के लिए प्रीमियम टैग

कॉफी बोर्ड ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले में स्थित अराकू घाटी के जनजातीय समुदायों द्वारा विकसित की जाने वाली कॉफी की विशिष्ट पहचान के संरक्षण के लिए भौगोलिक संकेतों के तहत अराकू कॉफी के पंजीकरण के लिए आवेदन किया है।

इस आशय की जानकारी वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री सी.आर. चौधरी ने आज लोकसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में दी।

केन्द्र सरकार कॉफी बोर्ड के जरिए 'एकीकृत कॉफी विकास परियोजना' क्रियान्वित कर अराकू घाटी में कॉफी उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। इस योजना में पुनर्रोपण एवं विस्तार, जल संचयन एवं सिंचाई बुनियादी ढांचे का निर्माण और कॉफी एस्टेट के परिचालन के मशीनीकरण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना शामिल है। इसके अलावा क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के आयोजन और संबंधित क्षेत्रों में प्रदर्शन के लिए तकनीकी सहायता भी दी जाती है। एसएचजी और उत्पादक समूहों के लिए प्रति किलोग्राम 10 रुपये का प्रोत्साहन देकर कॉफी बोर्ड अराकू कॉफी के सामूहिक विपणन को सुविधाजनक बना रहा है।

अराकू घाटी क्षेत्र में उत्पादित होने वाली अराबिका कॉफी एक उत्तम गुणवत्ता वाली विशेष कॉफी के रूप में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय हो गई है। कॉफी बोर्ड ने देश में उत्पादित होने वाली विभिन्न कॉफी किस्मों के लिए उनकी भौगेलिक विशिष्टता के आधार पर विशेष लोगो विकसित किए हैं।

कॉफी बोर्ड हर साल आयोजित की जाने वाली 'फ्लेवर ऑफ इंडिया-द फाइन कप अवार्ड' प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कॉफी उत्पादकों को प्रोत्साहित करता है। इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉफी बोर्ड द्वारा किया जाता है।

प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
सिविल कन्स्ट्रक्शन विंग, ऑल इन्डिया रेडियो
ई-निविदा आमंत्रण सूचना

अधिशासी अभियंता (सिविल), सिविल कन्स्ट्रक्शन विंग, ऑल इन्डिया रेडियो, पीबी (बीसीआई), वडोदरा गुजरात (फोन नं. - 0265-2631550, 2985729) द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ऑन लाइन वस्तु दर निविदाएं निम्न कार्यों हेतु आमंत्रित की जाती हैं:-

एनआइटी क्र : 22EECBRC20172018, कार्य का नाम: एसपीटी एआईआर राजकोट में ट्रांसमीटर बिल्डिंग के मुख्य प्रवेश द्वार से आंतरिक रोड तक पेवर ब्लॉक रोड का निर्माण करना। अनुमानित लागत : रु. 15,47,559.00, बयाना राशि: रु. 30951.00, कार्य पूर्णता की अवधि : 4 महीने .

ओनलाइन बीड जमा कराने की अंतिम तारीख और समय : 19/03/2018 को दोपहर 3.00 बजे तक। बीड प्रपत्र तथा अन्य विवरण वेबसाइट www.tenderwizard.com/AIR से प्राप्त किया जा सकता हैं।

अधिशासी अभियंता(सिविल)

तारीख: 06/03/2018

भारत एक शांतिप्रिय देश है और अपने पड़ोसियों से अच्छे संबंध रखना चाहता है-उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडु ने कहा है कि भारत एक शांतिप्रिय देश है और अपने पड़ोसियों से अच्छे संबंध रखना चाहता है। वे माल्टा गणराज्य के विदेशी मामलों तथा व्यापार संवर्धन मंत्री श्री कारमिलो अबेला से चर्चा कर रहे थे जो उनसे आज यहां भेंट करने आए थे।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रमंडल तथा अंग्रेजी भाषा के उपयोग के संदर्भ में भारत और माल्टा समान विरासत साझा करते हैं। जब माल्टा स्वतंत्र हुआ तो दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित हुए। उन्होंने आगे कहा कि भारत द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए उत्सुक है। दोनों देशों के बीच लाखों लोग आवागमन करते हैं। लंबे समय से दोनों देशों के बीच का संबंध मजबूत रहा है।

आईएमसॉरी - इनबॉक्स पिक्चर्स द्वारा रितिका सिंह अभिनीत एक म्यूज़िकल शॉर्ट फिल्म

महिला दिवस के अवसर पर इनबॉक्स पिक्चर्स अपनी शक्तिशाली म्यूज़िकल शॉर्ट फिल्म, 'आईएमसॉरी' के साथ महिलाओं की आत्महत्या के गंभीर मुद्दे पर प्रकाष डाल रही है। इस फिल्म में रितिका सिंह मुख्य भूमिका में हैं, जिन्होंने अपनी पहली फिल्म, 'साला खड़ूस' में आम जनता व आलोचकों की काफी सराहना प्राप्त की। आईएमसॉरी का निर्देषन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता डायरेक्टर, अष्विनी चौधरी ने किया है और इसका निर्माण इनबॉक्स पिक्चर्स द्वारा किया गया है। यह फिल्म उन अनेकों महिलाओं दुर्दषा के बारे में बताती है, जो हर रोज डर के साए में जिंदगी जीती हैं।

इसके बारे में निर्माता साजिद कुरैषी ने कहा, "आज जब हर कोई महिला सषक्तीकरण की बात कर रहा है, तो यह म्यूज़िकल शॉर्ट फिल्म उन समस्याओं, मुष्किलों और सदमों के बारे में बता रही है, जिनसे महिलाएं अपने दैनिक जीवन में गुजरती हैं। दुख इस बात का है कि सरकार का कोई भी हेल्पलाईन नंबर नहीं है, जो अपनी जिंदगी खत्म करने वाली महिलाओं की कुछ मदद कर सके या उन्हें आत्महत्या करने से रोक सके। इस म्यूज़िकल शॉर्ट फिल्म के माध्यम से मैं भारत सरकार से आग्रह करता हूं कि वो महिलाओं की सुरक्षा के मसले को गंभीरता से लें और आत्महत्या निरोधक सेवा प्रदान करें।"

आईएमसॉरी 8 मार्च, 2018 को रिलीज़ होगी और यह उन सभी महिलाओं को समर्पित है, जो छेड़खानी या बलात्कार होने के डर का निरंतर सामना करती हैं और अपने दैनिक जीवन में लोगों द्वारा पीछा किए जाने का षिकार होती हैं। (13-9)

उत्तर पश्चिम रेलवे **सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा सूचना**
भण्डार विभाग

निविदा सूचना संख्या : एस/2018/09 दिनांक : 06.03.2018

ई-प्रोक्योरमेंट के द्वारा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से भण्डार नियंत्रक, तृतीय तल, उ0प0रेलवे प्रधान कार्यालय, जवाहर सर्किल के पास, मालवीय नगर, जयपुर -302017 निम्नलिखित मदों हेतु मोहरबंद खुली ई-निविदायें **www.ireps.gov.in** में सभी खुली ई-निविदायें 14.25 बजे बंद कर दी जायेगी।

क्र. सं.	निविदा सं.	अल्प विवरण	मात्रा	खुलने की तिथि
01	40171583बी	लीड टाइप इमरजेंसी लाइट यूनिट कम्पलीट विथ बैटरी	1069 नग	27.03.2018
02	30182760	सेट ऑफ कम्पलीट प्री फैब्रिकेटेड रेट्रो फिताब्ले	220 सैट	28.03.2018
03	30173062बी	स्ट्राइकर कास्टिंग विथ वियर प्लेट	1202 नग	03.04.2018
04	81171042	सोप टॉयलेट इन केक्स ऑफ 100 ग्राम	281321 नग	03.04.2018
05	50185007	सप्लाई, इंस्टालेशन, टेस्टिंग एण्ड कमीशनिंग ऑफ पीआरएस/यूटीएस स्विच विथ ओन साईट वारंटी ऑफ थ्री ईयर	91 नग	05.04.2018
06	83181254	पीआरई प्रिटेंड थर्मल पेपर यूटीएस टिकट	49164 थाउजेंड	10.04.2018
07	10174522	सप्लाई ऑफ जीएम लोको स्पेयर्स	259 नग	17.04.2018
08	10174580	सप्लाई ऑफ स्पेयर्स फॉर जीएम लोको आइटम्स	6105 नग	11.05.2018
09	30183065	स्पेयर ऑफ एपीएम	821 सैट	05.04.2018

संशोधन

निविदा सूचना संख्या	निविदा संख्या	खुलने की तिथि एवं मात्रा	
		पूर्व में	अब
एस/2018/06 दिनांक: 12.02.2018	30171332	07.03.2018	14.03.2018
		13242422.20 स्का.फिट	378054 स्का.फिट

(1) इच्छुक निविदाकर्ता हमारी बेवसाईट पर सामग्री का पूरा विवरण/स्पेसिफिकेसन/बयाना राशि/निविदा फार्म का मूल्य और अन्य जानकारी देख सकते है। सभी निविदाकर्ताओं से निवेदन है कि अपने डिजिटल हस्ताक्षर प्राप्त करे तथा अपनी फर्म को उक्त साइट पर रजिस्ट्रर्ड करे। **(2)** 25 लाख से नीचे के विज्ञापित निविदा ,सीमित निविदा, विशेष सीमित निविदा एवं कम मूल्य की निविदा में भाग लेनें के लिए /देखने के लिए कृपया हमारी वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर जायें। **(3)** कोई भी जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट **www.nwr.indianrailways.gov.in** पर देख सकते हैं। **(4)** 01 जुलाई 2017 सें सेवा व माल कर **(GST)** लागू किया गया है। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे निविदाऐं भरने हेतु अपनी फर्मों को सेवा व माल कर (GST) से पंजीकृत करें एवम् तदनुसार निविदाओं (Tenders) की दरें (Rates) भरें।

(उप मुख्य सामग्री प्रबंधक-तृतीय)

रेल यात्री सामान्य शिकायत हेतु हैल्पलाइन नं. 138 पर सम्पर्क करें 275-DI/18

इसरो isro

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग, अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र (सैक),
निर्माण और अनुरक्षण समूह (सीएमजी), जोधपुर टेकरा, आंबावाडी विस्तार पो. ऑ.,
अहमदाबाद-380015 दूरभाष नं. - (079) 26914930/4917/4901, फैक्स नं. - (079) 26915800

ई-निविदा नं. : (1) सैक/सीएमजी/एसीएण्डएम/एयरको(एएमसी)/149/2017-18, तारीख 20-02-2018

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना

1. भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए ओनलाइन वस्तुदर निविदाएं ई-निविदा के माध्यम आमंत्रित की जाती है।

क्रम नं.	कार्य का शिर्षक	निविदा के लिए निर्धारित अनुमानित लागत रुपए	पूरा होने की अवधि	अवधि जिसके दौरान निविदा दस्तावेज डाउनलोड करना	निविदा स्वीकार करने की अंतिम तारीख और समय	निविदा खोले जाने की तारीख और समय	अर्नेस्ट मनी डिपोजीट (ईएमडी) (रु)
1.	सैक, अहमदाबाद, क्लीन रूम के लिए 6 नग, वॉटर कूल्ड एयर कॉम्प्रेशर युनिट इन्स्टॉल्ड हेतु सभी का कॉम्प्रेहेन्सीव वार्षिक ररखरखाव और सर्विसिंग अनुबंध।	10.91 लाख	02 वर्ष	**08.03.2018** (सुबह 11.00 बजे) से **16.03.2018** (शाम 17.00 बजे)	**20.03.2018** को 14.30 बजे तक	**20.03.2018** को 15.00 बजे	21,820/-

2. निविदा दस्तावेज वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से निविदा विजार्ड के साथ पंजीकरण करके और **निविदा प्रक्रिया शुल्क** का भुगतान करके डाउनलोड किया जा सकता है। विक्रेता पंजीकरण की प्रक्रिया उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध है। निविदा प्रक्रिया शुल्क का भुगतान ई-गेटवे के माध्यम से मे. आईटीआई. लि. को किया जाए।

3. **योग्यता मानदंड और अन्य विस्तृत जानकारी के लिए, इच्छुक निविदाकर्ता अन्य विवरण के लिए कृपया विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी) का संदर्भ ग्रहण करें, इसे वेबसाइट** www.isro.gov.in **और** www.sac.gov.in. **और निविदा मुक्त रूप से** www.tenderwizard.com/ISRO **पर देखे।**

समूह निदेशक, सी.एम.जी/सैक

सूचना

कृपया आपके विज्ञापन व समाचार हमारे निम्न लिखित ई-मेल पर ही भेंजे : alpaviram@gmail.com